दैनिक भास्कर, भोपाल

01 MAY 2017

मुख्यमंत्री का ब्लॉग

ज्ञान प्राप्ति के लिए नर्मदा तट पर आए थे आदि शंकराचार्य

शिवराज सिंह चौहान

उदया तिथि के अनुसार 1 मई 2017 को आदि शंकराचार्य की 'प्राकट्य पंचमी' को हम पूरे प्रदेश में 'आचार्य शंकर प्रकटोत्सव' के रूप में मना रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी आदि शंकराचार्य के प्रकटोत्सव को 'राष्ट्रीय दर्शन दिवस' के रूप में घोषित किया है। शंकराचार्य का स्मरण हम सांस्कृतिक एकता स्वरूप कर रहे हैं। प्रदेश के सभी संभाग, जिला, विकासखंड और ग्राम पंचायत स्तर पर संगोष्ठियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

आज से लगभग 1200 वर्ष पूर्व यानि 792 ईस्वी में आदि शंकराचार्य मप्र में नर्मदा तट पर ज्ञान प्राप्ति के लिए आए थे। उन्होंने ओंकारेश्वर के पास गोविंद पादाचार्य से ज्ञान प्राप्त किया। उन्होंने ही 'नर्मदाष्टक' लिखकर मां नर्मदा के महत्व को स्थापित किया।

हमने निर्णय लिया है कि मप्र में आदि शंकराचार्य के पाठ शिक्षा की पुस्तकों में जोड़े जाएंगे, उनका प्रकटोत्सव मनाया जाएगा। ओंकारेश्वर में शंकर संग्रहालय, वेदांत प्रतिष्ठान और शंकराचार्य की बहु धातु मूर्ति स्थापित की जाएगी। मूर्ति के लिए प्रदेश में धातु संग्रह अभियान चलाया जाएगा। आइये हम सभी संकल्प लें कि हम आदि शंकराचार्य के प्रति मध्यप्रदेश की ओर से अपनी कृतज्ञता की अभिव्यक्ति करेंगे।